बांस से संबंधित मूलभूत जानकारी एवं परिभाषऐं

बांस कूपों में बांस भिर्रो की संवर्धन एवं कटाई के कार्य में प्रयाग किये जाने वाली मूलभूत परिभाषाओं को एकरूपता देने के लिए तथा क्षेत्रीय अमले की सुविधा के लिए निम्नानुसार संकलित किया गया है ।

1.1 बांस की आयु के आधार पर वर्गीकरण:-

1. करला : एक वर्ष तक की आये के नये बांस ।
2. महिला : एवे से दो वर्ष आयु के बांस ।
3. पकिया : दो वर्ष से अधिक अर्थात 3 वर्ष एवं अधिक आयु के बांस ।

1.2 स्थल की गुणवत्ता के ओधार पर वर्गीकरण:-

1. प्रथम वर्ग : भिर्रे में बांस की औरसत ऊंचाई 9 मीटर से अधिक ।
2. द्वितीय वर्ग : भिर्रे में बांस की औरसत ऊंचाई 6 से 9 मीटर ।
3. तृतीय वर्ग : भिर्रे में बांस की औरस ऊंचाई 6 मीटर तक ।

(यह ऊंचाई भिर्रे के भू सतह से नापी जायेगी)

1.3 बांस के घनत्व का वर्गीकरण:-

1. बिरला बांस वन : 30 से50 भिर्रा प्रति हेक्टर ।
2. मध्यम बांस वन : 50 से 100 भिर्रा प्रति हेक्टर ।
3. सघन बांस वन : 100 भिर्रा प्रति हेक्टर से अधिक ।

1.4 भिर्रो का विकास एवं गुंथेपन पर आधारित वर्गीकरण:-

1. सामान्य एवं स्वस्थ भिर्रे- इसमें वे भिर्रे सम्मिलित होगे जिसमें बांस कटाई नियमों के अनुरूप बिना किसी विषेश कठिनाई के कटाई की जा सकती है । इस भिर्रो में गुंथे हुए बांसों की संख्या कुल बांसों की संख्या का 33 प्रतिशत या एक तिहाई सेकम होगी एवं भिर्रे में सवस्थ एवं पूर्ण बांसों की संख्या 10 से अधिक होगी ।

2. कम गुंथे हुए भिर्रे- 34 से 67 प्रतिशत (एक तिहाई से दो तिहाई) बांस आपस में गुंथे हुए हो

3. अधिक गुंथे हुए भिर्रे- जिसमें 67 प्रतिशत (दो तिहाई) से अधिक बांस गुंथे हुए हों तथा भिर्रे के आर पास देखा जाना संभव न हो ।

4. बिगड़े/क्षतिग्रस्त भिर्रे- भिर्रे जिसमें बांस ठूठों की संख्या कुल बांस की संख्या से 50 प्रतिशत से अधिक हो अथवा भिर्रे में स्वस्थ एवं पूर्ण बांस की कुल संख्या 10 से कम हो ।

1.5 बांस नाल (clum) का उपयोगिता के आधार पर वर्गीकरण:-

1. व्यापारिक बांस:- जिसमें निम्नानुसार लम्बाई के बांस शामिल होंगे:-
   7.30 मी., 6.40 मी., 4.60 मी., 3.70 मी., 3.10 मी., 2.50 मी., 2.25 मी. (व्यापारिक बांस के मोटे सिरे पर 10 से 125 से.मी. तथा पतले सिरे पर न्यूनतम गोलाई 6 से.मी. होना चाहिए) । व्यापारिक बांस के विदोहन में बांस को उक्त लम्बाईयों को ध्यान में रखकर विदोहन किया गया जाना चाहिए, जिसकी स्थानीय निस्तार में आवश्यकता है एवं बाजार में भी सरलता से निर्वर्तित हो जाए ।

2. औद्योगिक बांस के पतले सिरे पर न्यूनतम गोलाई 4 सें.मी. होनी चाहिए)

1.6 <u>बांस के स्वास्थ एवं स्थिति के आधार पर वर्गीकरण:-</u>

1. <u>पूर्ण एवं स्वस्थ बांस-</u> जिसकी लंबाई 2.25 मी. से अधिक हो । इसे प्राथमिकता के तौर पर व्यापारिक बांस में परिवर्तित किया जाना है तथा बचे हुए 25 से 30 प्रतिशत भाग से औद्योगिक बांस उपलब्धता के आधार पर बनाया जाता है । व्यापारिक बांस के पहले सिरे पर न्यूनतम गोलाई 6 से.मी. होनी चाहिए ।

2. <u>सूखा बांस-</u> लंबाई कुछ भी हो सकती है, लेकिन पूर्णतः सूखा हो । इसे 2 मी. के औद्योगिक बांस में परिवर्तित किया जाना है ।

3. ठूंठ बांस- लंबाई कुछ भी हो सकती है । इसे भी 2 मी. तथा 1 मी. के औद्योगिक बांस में परिवर्तित किया जाना है ।

1.7 <u>बांस के उपयोगिता के अनुरूप परिवर्तन के नियम:-</u>

1. <u>पूर्ण स्वस्थ एवं हरे बांस-</u> इससे 2.25 मीटर से लेकर 7.30 मीटर तक के व्यापारिक बांस निर्वर्तन जायेंगे बचे भाग से 2 एवं 1 मीटर के औद्योगिक बांस निकाले जायेंगे । व्यापारिक बांस के पतले सिरे पर न्यूनतम गोलाई 6 से.मी. होनी चाहिए ।

2. <u>सूखा बांस-</u> इसे पूर्ण तौर पर न्यूनतम 2 एवे 1 मीटर के औद्योगिक बांस में पिरवर्तित किया जायेगा । औद्यागिक बांस में पतले सिरे पर न्यूनतम गोलाई 4 से.मी. होनी चाहिए ।

3. <u>ठूंठ बांस-</u> लंबाई के अनुरूप औद्योगिक बांस में परिवर्तित किया जाएगा ।

1.8 बांस/कूपों का समान्य/स्वस्थ भिर्रो के आधार पर वर्गीकर:-

बांस कूपों को भिर्रो की अनुमानिम संख्या के आधार पर दो श्रणियों मे वर्गीकृत किया जाएगा ।

1. सामान्य बांस कूप- ऐसे बांस कूप जिसमें सामान्य/स्वस्थ भिर्रो की संख्या कुल भिर्रो की संख्या 50 प्रतिशत से अधिक हो ।

2. बिगड़े बांस कूप- ऐसे बांस कूप जिसमें सामान्य/स्वस्थ भिर्रो की संख्या कुल भिर्रो की संख्या 50 प्रतिशत से अधिक हो ।

1.9 बांस का एक नोशनल टन:- 2400 रनिंग मीटर

1.10 एक भिर्रे में रोके जाने वोले बांस की न्यूनतम संख्या:-

1. प्रथम वर्ग-20 बांस

2. द्वितीय वर्ग-15 बांस

3. तृतीय वर्ग-10 बांस

(स्थल गुणवत्ता के आधार पर, यदि रोके जाने वाले महिला एवं पकिया कम होता तो न्यूनतम संख्या पूरी करने के लिए हरे ठूंठों को भी सम्मिलित किया जाएगा)